कालीन निर्यात संवर्धन परिषद्
CARPET EXPORT PROMOTION COUNCIL
*(Set up by Ministry of Textiles, Govt. of India)*
**Working Office :** 2nd Floor, Rajiv Gandhi Handicrafts Bhawan, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi – 110001
**Phone :** +91-11-233 647 16, 233 64717
**E-mail :** info@cepc.co.in, **Website :** www.cepc.co.in
**Regd. Office :** Shreejee Complex, Shop No. T-3, Sharma Market, Harola, Noida (U.P)
**Website of Ministry of Textiles :** www.texmin.nic.in

# प्रेस विज्ञप्ति

6 नवंबर, 2020

आज दिनांक 6 नवंबर, 2020 को कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने सदस्य निर्यातकों को शिक्षित करने और अधिकृत जीआई उपयोगकर्ता बनने के बाद लाभों, जीआई के प्राधिकृत उपयोगकर्ता बनने की विस्तृत प्रक्रिया आदि पर जागरूकता के लिए "भौगोलिक संकेत" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

श्री सिद्ध नाथ सिंह, अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, श्री उमेश कुमार गुप्ता, श्री हुसैन जाफर हुसैनी, श्री श्रीराम मौर्य, सदस्य प्रशासनिक समिति और श्री संजय कुमार, अधिशासी निदेशक, सीईपीसी, वेबिनार में उपस्थित थे। सदस्यों को शिक्षित करने के लिए श्री चिनाराजा जी नायडू, उप निबंधक जीआई, भारत सरकार और श्री प्रशांत कुमार भैरप्पनवर, वरिष्ठ परीक्षक जीआई रजिस्ट्री, चेन्नई भारत सरकार वेबिनार में उपस्थित थे।

श्री सिद्ध नाथ सिंह, अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद ने अपने सम्बोधन मे, जीआई रजिस्ट्री, चेन्नई के अधिकारियों एवं सदस्य निर्यातको का स्वागत किया । श्री सिद्ध नाथ सिंह ने उल्लेख किया कि इन दिनों अधिकांश लोग हस्तनिर्मित कालीनों के नाम पर मशीन से निर्मित कालीन बेच रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए परिषद जागरूकता अभियान चला रही है और परिषद को उम्मीद है कि इस कड़ी मे जीआई एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएजीगी। श्री सिद्ध नाथ सिंह ने वेबिनार में भाग लेने वाले सभी निर्यातक संदस्यों एवं श्री नायडू और श्री प्रशांत को अपना बहुमल्य समय देने के लिए धन्यवाद दिया।

कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के अधिशासी निदेशक, श्री संजय कुमार ने जीआई के तहत पहले से कालीन क्षेत्र के पंजीकृत 7 उत्पादों की जानकारी दी। श्री संजय कुमार ने जीआई के तहत पंजीकरण के लिए परिषद द्वारा चिन्हित 10 अन्य उत्पादों की भी जानकारी दी जिसका पंजीकरण प्रीक्रिया मे हैं । श्री संजय कुमार ने सदस्यों को सूचित किया कि माननीय प्रधान मंत्री जी का जीआई उत्पादो पर विशेष ध्यान हैं और प्रधान मंत्री कार्यालय नियमित रूप से इसकी निगरानी कर रहा हैं। भारत सरकार जीआई उपयोगकर्ताओं निर्यातकों के लिए विशेष लाभ की घोषणा निकट भविष्य करने जा रही है। आने वाले दिनों में परिषद जीआई उपयोगकर्ताओं के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का संगोष्ठी और एक विशेष वेर्चुअल प्रदर्शनी आयोजित करने जा रही है।

जीआई के उप निबंधक श्री चिनाराजा जी नायडू ने इतने कम समय में इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के लिए अध्यक्ष और अधिशासी निदेशक कालीन निर्यात संवर्धन परिषद को धन्यवाद दिया। श्री नायडू ने सदस्यों को जीआई के महत्व और हमारी अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव के बारे में बताया। उहोने बताया की जीआई हमारी पारंपरिक विरासत को संरक्षित करता है।

जीआई रजिस्ट्री, चेन्नई से वरिष्ठ परीक्षक, श्री प्रशांत कुमार भैरप्पनवर ने बताया कि जीआई रजिस्ट्री एक अर्ध न्यायिक प्राधिकरण है और उन्होने जीआई की संकल्पना, उत्पाद के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 पर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया । श्री प्रशांत कुमार ने बताया की कैसे भारत में जीआई अधिनियम संचालित होता है । अधिनियम के अनुसार, भौगोलिक संकेत किसी विशेष स्थान से उत्पन्न होने वाले उत्पाद की पहचान, उत्पाद की गुणवत्ता, प्रतिष्ठा एवं अन्य विशेषताओं को की ओर संकेत करता हैं जो उत्पाद को अनिवार्य रूप से इसके भौगोलिक मूल के साथ जोड़ता हैं है। श्री प्रशान्त कुमार ने सदस्यों को – 1. जीआई के तहत पंजीकरण के लिए कौन आवेदन कर सकता है, 2. जीआई के लिए कैसे आवेदन कर सकता है, 3. कौन आवेदक हो सकता है, 4. पंजीकरण प्रक्रिया, 5. जीआई के लाभ आदि पर जानकारी दी । श्री प्रशांत कुमार ने वेबिनार में सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों और शंकाओं को समाधान किया। श्री नायडू और श्री प्रशांत ने पंजीकरण प्रमाणपत्र के अनुदान के लिए आवेदन के प्रारूपण करने के लिए परिषद को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

श्री सिद्ध नाथ सिंह ने उल्लेख किया कि परिषद जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता के लिए दिल्ली, भदोही और श्रीनगर कार्यालय से सदस्यों को सभी प्रकार की सुविधा प्रदान करेगी। श्री सिद्ध नाथ सिंह ने आगे उल्लेख किया कि कोरोना के बाद सामान्य स्थिति होने पर परिषद भदोही, मिर्जापुर, श्रीनगर, आगरा और अन्य कालीन पट्टियों में शिविर का भी आयोजन करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि हम कालीन उत्पादक पट्टियों में जीआई पर एक सेमिनार का आयोजन करेंगे जिसमें जीआई रजिस्ट्री के अधिकारी भाग लेंगे।

श्री उमेश कुमार गुप्ता, सदस्य प्रशासनिक समिति ने अध्यक्ष, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, सभी सदस्यों और श्री नायडू और श्री प्रशांत को सदस्यों को जीआई के बारे में इतने सरल तरीके से शिक्षित करने और सदस्यो की शंकाओ को दूर करने के लिए धन्यवाद दिया । श्री उमेश कुमार गुप्ता ने श्री संजय कुमार, अधिशासी निदेशक एवं सीईपीसी के सभी अधिकारियों को वेबिनार के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और आशा व्यक्त की कि आज का वेबिनार भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के लिए लाभदायक होगा।

*********